करेंट अफेयर्स

उत्तराखंड

(संग्रह)

मई

2025

Drishti, 641, First Floor,
Dr. Mukharjee Nagar, Delhi-110009
Inquiry: +91-87501-87501
Email: care@groupdrishti.in

अनुक्रम

उत्तराखंड **3**

- विश्व अस्थमा दिवस 2025 3
- उत्तराखंड में सुरक्षा उपाय सक्रिय 4
- राजाजी राष्ट्रीय उद्यान 4
- नमूना पंजीकरण प्रणाली (SRS) सांख्यिकीय रिपोर्ट 2021 6
- रुद्रनाथ मंदिर 9
- विद्या समीक्षा केंद्र 9
- उत्तराखंड में FM रेडियो स्टेशन लॉन्च 11
- हेमकुंड साहिब 12
- सिरकारी भ्योल रूपसियाबगड जल विद्युत परियोजना 14
- उत्तराखंड में सांस्कृतिक विरासत और विकास को बढ़ावा 16
- उत्तराखंड का विकसित कृषि संकल्प अभियान 17
- तपोवन से कुंजापुरी मंदिर तक रोपवे 18
- उत्तराखंड मेगा औद्योगिक एवं निवेश नीति 2025 20

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

उत्तराखंड

विश्व अस्थमा दिवस 2025

चर्चा में क्यों ?

अस्थमा की स्थिति तथा इससे उत्पन्न होने वाले **स्वास्थ्य खतरों के बारे में लोगों में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य** से विश्व अस्थमा दिवस हर वर्ष **मई माह के दूसरे मंगलवार** को मनाया जाता है।

मुख्य बिंदु

- **विश्व अस्थमा दिवस 2025:**
  - वर्ष 2025 में यह दिवस मंगलवार, 6 मई को मनाया गया, जिसकी थीम **है "श्वसन उपचार को सभी के लिये सुलभ बनाना।"**
  - इस थीम में रोग प्रबंधन एवं आपातकालीन देखभाल दोनों के लिये श्वास द्वारा दी जाने वाली दवाओं की व्यापक उपलब्धता पर **ज़ोर** दिया गया है।
- **अस्थमा के बारे में:**
  - अस्थमा एक **दीर्घकालिक श्वसन रोग है,** जिसमें **व्यक्ति के श्वसन नलिकाओं में सूजन और संकुचन हो जाता** है, जिससे अधिक बलगम बनता है और साँस लेना कठिन हो जाता है।
  - राष्ट्रीय हृदय, फेफड़े और रक्त संस्थान (NHLBI) अस्थमा को एक ऐसी **स्थिति के रूप में परिभाषित करता है, जो घरघराहट, साँस फूलना, सीने में जकड़न और खाँसी की बार-बार होने वाली समस्या का कारण बन सकती है।**
- **वैश्विक स्थिति:**
  - विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के अनुसार, **दुनिया भर में 250 मिलियन** से अधिक लोग अस्थमा से पीड़ित हैं।
  - वर्ष 2019 में अस्थमा के कारण विश्व भर में **लगभग 4,55,000 लोगों की मृत्यु हुई,** जो बेहतर रोग नियंत्रण और उपचार सुविधाओं तक सुलभ पहुँच की तत्काल आवश्यकता को दर्शाता है।
- **इतिहास और उत्पत्ति:**
  - अस्थमा के लिये वैश्विक **पहल (GINA) ने वर्ष 1998 में बार्सिलोना, स्पेन में** विश्व अस्थमा बैठक के दौरान 35 देशों की भागीदारी के साथ **पहला विश्व अस्थमा दिवस मनाया था।**
  - तब से यह आयोजन **वैश्विक स्तर पर फैल चुका है** और आज इसे अस्थमा की शिक्षा और जागरूकता के सबसे **महत्त्वपूर्ण दिवसों में से एक माना जाता है।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

उत्तराखंड में सुरक्षा उपाय सक्रिय

चर्चा में क्यों ?

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक उच्च-स्तरीय बैठक की और राज्य के सभी सीमावर्ती क्षेत्रों में मज़बूत सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ-साथ सीमांत इलाकों में किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर सख्त निगरानी रखने का निर्देश दिया।

प्रमुख बिंदु

- **संवेदनशील सीमावर्ती ज़िलों की पहचान की गई:**
  - **उत्तरकाशी और चमोली की सीमा चीन** से लगती है।
  - **चंपावत और उधमसिंह नगर की सीमा नेपाल** से लगती है।
  - **पिथौरागढ़ की सीमा चीन और नेपाल दोनों से** लगती है।
- **चार धाम यात्रा के दौरान सुरक्षा बढ़ाई गई:**
  - मुख्यमंत्री ने चार धाम यात्रा **मार्ग पर सुरक्षा बढ़ाने पर ज़ोर दिय**, जहाँ वर्तमान में लाखों तीर्थयात्री पंजीकृत हैं।
  - उन्होंने निर्देश दिया कि तीर्थ स्थलों के लिये सभी सुरक्षा व्यवस्थाएँ अविलंब सक्रिय कर दी जाएं।
- **सामरिक अवसंरचना का संरक्षण:**
  - बैठक में प्रमुख प्रतिष्ठानों, बांधों, विद्युत संयंत्रों की सुरक्षा की समीक्षा की गई तथा सभी विभागों और पुलिस बलों को हाई अलर्ट पर रहने के निर्देश दिये गए।
- **आपातकालीन तैयारी उपाय:**
  - उन्होंने निर्देश दिये कि ज़िला एवं तहसील स्तर पर **खाद्यान्न एवं आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति सुनिश्चित** की जाए।
  - **अस्पतालों को आवश्यक दवाओं की उचित व्यवस्था** के साथ सतर्क रहना चाहिये।
- **नागरिक सुरक्षा और स्वयंसेवकों की भूमिका:**
  - मुख्यमंत्री ने **राहत एवं बचाव** कार्यों में **नागरिक सुरक्षा समूहों** और **स्वैच्छिक संगठनों को प्रशिक्षित करने का आह्वान** किया।
- **अफवाहों और गलत सूचनाओं पर अंकुश लगाना:**
  - मुख्यमंत्री ने **जनता तक सटीक एवं सत्यापित जानकारी प्रसारित करने की आवश्यकता पर बल** दिया।
  - उन्होंने अधिकारियों को सोशल मीडिया पर सख्त निगरानी रखने और अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश दिये।

राजाजी राष्ट्रीय उद्यान

चर्चा में क्यों ?

राजाजी राष्ट्रीय उद्यान में निर्मित प्रचुर जलाशयों और जल स्रोतों ने मानव-आबादी वाले क्षेत्रों में हाथियों की आवाजाही को सीमित कर दिया है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

मुख्य बिंदु

- **गंगा पर निर्भरता कम:**
  - हाथियों के बड़े झुंड अब गर्मी के मौसम में जल की आवश्यकता के लिये गंगा नदी पर पूरी तरह निर्भर नहीं रहते।
  - **वन क्षेत्रों में जल स्रोतों की बढ़ती उपलब्धता ने** हाथियों को अधिक आत्मनिर्भर बना दिया है।
- **अमृत सरोवर योजना की भूमिका:**
  - अमृत सरोवर योजना **से** वनों में जल की स्थिति में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।
  - इस योजना का उद्देश्य देश भर के प्रत्येक ज़िले में **75 अमृत सरोवर तालाबों का विकास या पुनरुद्धार करना है।**
  - इसे **स्वतंत्रता के 75वें वर्ष** के लिये भारत के **"आजादी का अमृत महोत्सव"** समारोह के हिस्से के रूप में वर्ष **2022 में लॉन्च किया गया था।**
- **प्रभाव:**
  - जंगल में पानी की उपलब्धता में सुधार होने से हाथियों का मानव-आबादी वाले क्षेत्रों में आवागमन कम हो गया है।
  - परिणामस्वरूप, **मानव-हाथी संघर्ष** की घटनाओं में कमी आई है, जिससे वन्यजीवों और स्थानीय समुदायों दोनों की सुरक्षा बढ़ी है।

राजाजी राष्ट्रीय उद्यान

- **परिचय:**
  - **राजाजी राष्ट्रीय उद्यान** उत्तराखंड के तीन ज़िलों **देहरादून, हरिद्वार और पौड़ी गढ़वाल** में स्थित है।
  - **इस पार्क की स्थापना तीन वन्यजीव अभयारण्यों - राजाजी, मोतीचूर और चिल्ला को** मिलाकर की गई थी ।
  - इसका नाम सी. राजगोपालाचारी **के नाम पर रखा गया है,** जो एक प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी थे, जिन्हें "राजाजी" के नाम से भी जाना जाता था।
- **क्षेत्र एवं टाइगर रिज़र्व की स्थिति:**
  - प्रारंभ में, राजाजी राष्ट्रीय उद्यान 820.42 वर्ग किमी. क्षेत्र में फैला हुआ था।
  - वर्ष 2015 में, आस-पास के आरक्षित वन के अतिरिक्त 255.63 वर्ग किमी. क्षेत्र को बफर ज़ोन के रूप में नामित किया गया।
  - **इसके बाद 1075 वर्ग किमी. के संयुक्त क्षेत्र को** वन्य जीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के तहत राजाजी टाइगर रिज़र्व घोषित कर दिया गया।
- **रिज़र्व में नदियाँ:**
  - गंगा नदी राजाजी टाइगर रिज़र्व से होकर बहती है, जिससे क्षेत्र की पारिस्थितिकी समृद्धि बढ़ती है।
  - गंगा की एक सहायक **नदी सोंग भी इस रिज़र्व से होकर गुजरती है तथा विविध वन्य जीव और वनस्पति को पोषण देती है।**
- **हाथी गलियारा और संपर्क:**
  - इस रिज़र्व में एक महत्वपूर्ण **हाथी गलियारा है, जो राजाजी और** कॉर्बेट राष्ट्रीय उद्यान के बीच हाथियों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करता है, आनुवंशिक विविधता को बढ़ावा देता है और मानव-हाथी संघर्ष को कम करता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

हाथी

Drishti IAS

हाथी की 4 मुख्य प्रजातियाँ

प्रजातियाँ	जहाँ पाई जाती हैं	IUCN रेड लिस्ट में दर्ज स्थिति	अधिवास
भारतीय	एशिया	संकटग्रस्त (CITES - परिशिष्ट I, WPA - अनुसूची I)	उष्णकटिबंधीय एवं उपोष्ण शुष्क एवं नम पृथुपर्णी (चौड़े पत्तेदार) वन, घास के मैदान
सुमात्राई	एशिया	गंभीर संकटग्रस्त	उष्णकटिबंधीय नम पृथुपर्णी (चौड़े पत्तेदार) वन
सवाना (बुश)	अफ्रीका	संकटग्रस्त	मध्य अफ्रीका के घने उष्णकटिबंधीय वनों को छोड़कर पूरे उप-सहारा अफ्रीका में
अफ्रीकी वन्य हाथी	अफ्रीका	गंभीर संकटग्रस्त	घने उष्णकटिबंधीय वन

भारतीय हाथी *(Elephas maximus)*

एशियाई महाद्वीप पर सबसे बड़ा स्तनपायी जीव
भारत का राष्ट्रीय धरोहर पशु

- हाथियों की अधिकतम आबादी वाले शीर्ष 5 भारतीय राज्य:
  (हाथी जनगणना 2017 के अनुसार)
  - कर्नाटक> असम> केरल> तमिलनाडु> ओडिशा
- सामाजिक संरचना:
  - नर की तुलना में मादा हाथी अधिक सामाजिक होती हैं; जो कि झुंड में (आमतौर पर 5-7) रहती हैं
    - जिसका नेतृत्त्व सबसे बुजुर्ग मादा हाथी करती है
  - नर आमतौर पर अकेले रहते हैं

- प्रमुख खतरे:
  - घटते आवास
  - मानव-हाथी संघर्ष
  - हाथीदांत के लिये अवैध शिकार
  - पालन में दुर्व्यवहार
- संरक्षण के प्रयास:
  - गज सूचना ऐप (2022)
  - गज यात्रा (2017)
  - हाथी मेरे साथी अभियान (2011)
  - राष्ट्रीय हाथी गलियारा परियोजना (2005)
  - हाथियों की अवैध हत्या की निगरानी (माइक) कार्यक्रम (2003)
  - प्रोजेक्ट एलिफेंट (1992)

नमूना पंजीकरण प्रणाली (SRS) सांख्यिकीय रिपोर्ट 2021

चर्चा में क्यों ?

भारत के रजिस्ट्रार जनरल द्वारा जारी **नमूना पंजीकरण प्रणाली (SRS) सांख्यिकीय रिपोर्ट 2021** के अनुसार, उत्तराखंड वर्ष 2016 से 2021 की अवधि के दौरान **जन्म दर** में वृद्धि दर्ज करने वाला एकमात्र राज्य था।

- **यह प्रवृत्ति शहरीकरण**, बेहतर **स्वास्थ्य सेवा** और महिला शिक्षा जैसे कारकों से प्रेरित उन्नत जनसांख्यिकीय परिवर्तन को इंगित करती है।

मुख्य बिंदु

- **रिपोर्ट के बारे में:**
  - SRS **भारत का सबसे बड़ा** जनसांख्यिकीय सर्वेक्षण **है,** जिसे जन्म और मृत्यु दर जैसे प्रजनन और **मृत्यु दर संकेतकों का वार्षिक अनुमान प्रदान करने के लिये डिज़ाइन किया गया है।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- 2021 SRS, दशकीय जनगणना से प्राप्त महत्त्वपूर्ण जनसंख्या प्रवृत्ति अंतर्दृष्टि प्रदान करता है, जो 2021 के लिये अभी तक आयोजित नहीं की गई है।

- **अशोधित जन्म दर:**
  - अशोधित जन्म दर वर्ष के दौरान होने वाले जीवित जन्मों की संख्या को दर्शाती है, जिसका अनुमान मध्य वर्ष में प्रति 1,000 जनसंख्या पर लगाया जाता है।
  - भारत की अशोधित जन्म दर 2021 में 19.3 थी, जो 2016 से 2021 तक सालाना 1.12% की दर से घट रही है।
  - इसी अवधि के दौरान तमिलनाडु, दिल्ली और केरल में क्रमश: 2.35%, 2.23% और 2.05% प्रति वर्ष की दर से तीव्र गिरावट देखी गई।
  - जन्म दर में सबसे **कम गिरावट** राजस्थान (0.48%), बिहार (0.86%), छत्तीसगढ़ (0.98%), झारखंड (0.98%), असम (1.05%), मध्य प्रदेश (1.05%), पश्चिम बंगाल (1.08%) और उत्तर प्रदेश (1.09%) में हुई।
  - आंध्र प्रदेश (1.26%), तेलंगाना (1.67%) और कर्नाटक (1.68%) सहित अन्य दक्षिणी राज्यों में भी **औसत से अधिक तीव्र गिरावट दर्ज की गई।**
  - संपूर्ण दक्षिणी क्षेत्र में परिवार का आकार छोटा होता जा रहा है तथा जनसंख्या वृद्धि स्थिर हो रही है।
- **कुल प्रजनन दर (TFR) :**
- कुल प्रजनन दर (TFR) एक महिला द्वारा अपने प्रजनन वर्षों के दौरान अपेक्षित बच्चों की औसत संख्या को दर्शाती है।
  - वर्ष 2021 में, भारत की TFR 2.0 थी, जिसमें **बिहार में 3.0 की उच्च TFR**, उत्तर प्रदेश में 2.7, मध्य प्रदेश में 2.6 और राजस्थान में 2.4 थी।
- **सकल प्रजनन दर (GRR):**
  - भारत के लिये GRR 1 है, जिसका अर्थ है कि औसतन भारत में प्रत्येक महिला की एक बेटी होती है, जो प्रजनन आयु तक जीवित रहती है और उसके अपने बच्चे होते हैं।
    - इसके विपरीत, बिहार (1.4), उत्तर प्रदेश (1.3), राजस्थान (1.2) और मध्य प्रदेश (1.2) में उच्च GRR दर्ज की गई।
- **जन्म पंजीकरण प्रवृत्ति और डाटा अंतर्दृष्टि:** नागरिक **पंजीकरण प्रणाली (CRS) 2021 के आंकड़ों से पता चलता है कि जन्म दर में सबसे कम गिरावट** वाले राज्यों में **पंजीकृत जन्मों में** भी वृद्धि दर्ज की गई है, जिनमें शामिल हैं:
  - बिहार, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल, जम्मू-कश्मीर, आदि।
  - तेलंगाना में **2019 के बाद पंजीकृत जन्मों में तीव्र वृद्धि देखी गई,** जिसके बाद **2020 के बाद इसमें गिरावट आई।**

उत्तराखंड में महिला कल्याण से संबंधित योजनाएँ

- मुख्यमंत्री महालक्ष्मी किट योजना: यह योजना महिला सशक्तीकरण एवं बाल विकास विभाग द्वारा प्रथम बार बनी माताओं और उनकी बेटियों को सामाजिक सुरक्षा सहायता प्रदान करने के लिये शुरू की गई थी।
- **नंदा गौरा योजना:** लड़कियों को जन्म से लेकर शादी तक उनकी शिक्षा और सशक्तीकरण के लिये वित्तीय सहायता प्रदान करती है, जिसका उद्देश्य उत्तराखंड के पात्र निवासियों के बीच कन्या भ्रूण हत्या, बाल विवाह और सामाजिक असमानता को रोकना है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- मातृत्व लाभ योजना (UKBOCWWB): यह पंजीकृत महिला श्रमिकों को उनकी मातृत्व अवधि के दौरान 10,000 रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान करती है।
- **मुख्यमंत्री महिला पोषण योजना: यह कुपोषण से** निपटने और मातृ स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिये गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं को पौष्टिक खाद्य पूरक प्रदान करती है।

भारत के महापंजीयक

- **गृह मंत्रालय** के अधीन वर्ष 1949 में स्थापित RGI, भारत की दशकीय जनगणना और **भारतीय भाषाई सर्वेक्षण** सहित जनसंख्या डाटा संग्रह की देखरेख के लिये ज़िम्मेदार है।
- RGI **RBD अधिनियम, 1969** के कार्यान्वयन को सुनिश्चित करता है और निरंतर जन्म और मृत्यु पंजीकरण के लिये **CRS** का प्रबंधन करता है।
  - यह सभी सामान्य निवासियों के जनसांख्यिकीय विवरण दर्ज करने के लिये राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर (NPR) का भी रखरखाव करता है।
- RGI का नेतृत्व एक वरिष्ठ सिविल सेवक करता है, जो आमतौर पर **संयुक्त सचिव स्**तर का होता है, RGI जनसांख्यिकीय योजना और नीति निर्माण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

पुष्कर कुंभ **12 वर्षों के बाद माणा गाँव** (चमोली ज़िला) **के** केशव **प्रयाग** में शुरू हुआ है, जिसमें बड़ी संख्या में तीर्थयात्री आ रहे हैं।

मुख्य बिंदु

- **पुष्कर कुंभ के बारे में:**
  - **यह आयोजन** भारत-चीन सीमा पर उत्तराखंड के अंतिम गाँव **माणा गाँव** में अलकनंदा **और सरस्वती नदियों के संगम** केशव **प्रयाग** में आयोजित किया जाता है।
  - पुष्कर कुंभ, जो बृहस्पति के मिथुन राशि में प्रवेश करने पर मनाया जाता है, **हिंदू परंपरा में एक महत्त्वपूर्ण आयोजन है,** जो विशेष रूप से दक्षिण भारत से वैष्णव भक्तों को आकर्षित करता है।
    - हिंदू धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, महर्षि वेद व्यास **ने केशव प्रयाग में तपस्या करते हुए** महाकाव्य महाभारत **की** रचना की थी।
    - यह भी माना जाता है कि रामानुजाचार्य और माधवाचार्य **को इस पवित्र स्थल पर देवी सरस्वती से दिव्य ज्ञान प्राप्त हुआ था।**
- **महत्त्व:**
  - **हालांकि, प्रयागराज** और **हरिद्वार** जैसे शहरों में होने वाले पारंपरिक कुंभ मेलों की तुलना में माणा में होने वाला पुष्कर कुंभ छोटा होता है, लेकिन यह **उत्तरी और दक्षिणी भारत के बीच एक सार्थक आध्यात्मिक और सांस्कृतिक संबंध स्थापित करता है।**
  - यह राष्ट्र की आध्यात्मिक एकता को मज़बूत करने के साथ-साथ **सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने के महत्त्व पर भी प्रकाश डालता है।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

रुद्रनाथ मंदिर

चर्चा में क्यों ?

चतुर्थ केदार के रूप में विख्यात रुद्रनाथ मंदिर शीतकाल के बाद **श्रद्धालुओं के लिये पुन: खोल दिया गया है।**

मुख्य बिंदु

- **रुद्रनाथ मंदिर के बारे में:**
  - उत्तराखंड के चमोली ज़िले में स्थित यह **मंदिर भगवान शिव को समर्पित है**।
  - यह **पंच केदार** मंदिरों में से एक है।
    - पंच केदार मंदिरों में केदारनाथ, **मदमहेश्वर**, तुंगनाथ, **रुद्रनाथ** और **कल्पनाथ शामिल हैं।**
  - यह मंदिर समुद्र तल से **2290 मीटर** की ऊँचाई पर स्थित है।
  - रुद्रनाथ मंदिर में भगवान शंकर के एकानन अर्थात मुख की पूजा होती है, जबकि नेपाल की राजधानी काठमांडू के पशुपतिनाथ में पूरे शरीर की पूजा होती है।

चार धाम यात्रा

- **उत्तराखंड,** जिसे अक्सर **देवभूमि** या देवताओं की भूमि के रूप में जाना जाता है, कई पवित्र मंदिरों का घर है और पूरे वर्ष भक्तों को आकर्षित करता है।
- इन आध्यात्मिक स्थलों में से चार धाम यात्रा को इस क्षेत्र की सबसे प्रमुख तीर्थ यात्राओं में से एक माना जाता है।
- चार यात्रा में चार पवित्र तीर्थस्थलों के दर्शन शामिल हैं: **यमुनोत्री, गंगोत्री, केदारनाथ और बद्रीनाथ।**
  - **उत्तरकाशी ज़िले** में स्थित **यमुनोत्री मंदिर** पवित्र **यमुना नदी के उद्गम के पास स्थित है और देवी यमुना** को समर्पित है।
  - **उत्तरकाशी ज़िले** में स्थित **गंगोत्री मंदिर देवी गंगा** को समर्पित है। गंगा को भारत की सबसे पवित्र नदी माना जाता है।
  - **रुद्रप्रयाग ज़िले** में स्थित **केदारनाथ मंदिर, भगवान शिव को समर्पित** है।
  - बद्रीनाथ मंदिर **भगवान विष्णु को समर्पित है।**
- ये **धाम गढ़वाल हिमालय में स्थित हैं** और यहाँ पारंपरिक रूप से मई से नवंबर के बीच **श्रद्धालु** दर्शन के लिये जाते हैं।

विद्या समीक्षा केंद्र

चर्चा में क्यों ?

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने निजी स्कूलों को विद्या समीक्षा केंद्र (VSK) के अंतर्गत लाने की घोषणा की है,

- यह **पहल डेटा आधारित शासन के माध्यम से शैक्षिक गुणवत्ता सुधारने** की राज्य सरकार की व्यापक रणनीति **के अनुरूप** है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

मुख्य बिंदु

विद्या समीक्षा केंद्र (VSK):

- **परिचय**
  - यह एक **डिजिटल अवसंरचना आधारित तंत्र** है, जो **छात्र नामांकन, उपस्थिति, शैक्षणिक प्रदर्शन** और **शिक्षक प्रशिक्षण** जैसे महत्त्वपूर्ण डेटा को **ट्रैक और विश्लेषित** करता है, जिससे प्रशासकों को **विद्यालयी शिक्षा की प्रगति की प्रभावी निगरानी** में सहायता मिलती है।
  - यह प्रणाली राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 तथा विभिन्न **शिक्षा योजनाओं** के अनुरूप, **डेटा-आधारित निर्णयों के माध्यम से परिवर्तनकारी सुधार** को संभव बनाती है।
- **उत्तराखंड में VSK कार्यान्वयन**
  - उत्तराखंड भारत का **पहला राज्य** है, जिसने **गुजरात मॉडल पर आधारित विद्या समीक्षा केंद्र (VSK)** को अपनाया है, जिससे स्कूल शिक्षा में **डेटा-संचालित निगरानी और सुधार** को बढ़ावा मिला है।
- **बुनियादी ढाँचे का सुदृढ़ीकरण:**
  - राज्य में 141 पीएम श्री स्कूल और नेताजी सुभाष चंद्र बोस आवासीय विद्यालयों का निर्माण प्रगति पर है।
  - **प्रौद्योगिकी आधारित शिक्षा** को बढ़ावा देने हेतु **13 ज़िलों** के कई विद्यालयों में **वर्चुअल कक्षाएँ** स्थापित की गई हैं।
- **शैक्षिक गुणवत्ता पर बल:**
  - सभी **सरकारी विद्यालयों** में NCERT **की पाठ्यपुस्तकों** को लागू किया गया है ताकि **गुणवत्तापूर्ण शिक्षा** सुनिश्चित की जा सके।
  - **कक्षा 6 से 12** तक के **मेधावी छात्रों** को **सरकारी व निजी दोनों प्रकार के विद्यालयों** में छात्रवृत्ति प्रदान की जा रही है।
  - **नई मेधावी छात्र प्रोत्साहन योजना** के तहत **कक्षा 10वीं व 12वीं** के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को **देशव्यापी शैक्षिक भ्रमण** का अवसर दिया जा रहा है।
- **खेल एवं रोज़गार को बढ़ावा:**
  - राज्य सरकार **खेलों के प्रोत्साहन** पर विशेष ध्यान दे रही है।
  - **राष्ट्रीय स्तर पर पदक विजेता खिलाड़ियों** को **प्रोत्साहन स्वरूप सरकारी नौकरियाँ** प्रदान की जाएंगी।

पीएम श्री स्कूल

- पीएम श्री स्कूल भारत में **14,500 से अधिक स्कूलों** को विकसित करने के लिये एक केंद्र प्रायोजित योजना है, जिसका प्रबंधन केंद्र, राज्य/केंद्रशासित प्रदेश सरकारों, स्थानीय निकायों, केंद्रीय विद्यालय संगठन (KVS) और नवोदय विद्यालय समिति (NVS) द्वारा किया जाता है।
- इसे वर्ष **2022-23 से 2026-27** तक क्रियान्वित किया जा रहा है।
- इस योजना का उद्देश्य एक **सुरक्षित, समावेशी** और **संसाधन-समृद्ध शिक्षण वातावरण** प्रदान करना है, जहाँ प्रत्येक छात्र को **सम्मान** और **देखभाल** का एहसास हो।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- यह NEP 2020 के अनुरूप है, जो छात्रों को **सक्रिय, उत्पादक** और **ज़िम्मेदार नागरिक** बनने के लिये प्रोत्साहित करती है।
- यह योजना **गुणवत्तापूर्ण स्कूली शिक्षा** को बढ़ावा देती है तथा **नीति, अभ्यास** और **कार्यान्वयन** में सहायता करती है।

उत्तराखंड में शिक्षा से संबंधित योजनाएँ:

- **मुख्यमंत्री मेधावी छात्र प्रोत्साहन योजना:** कक्षा 10वीं और 12वीं के **मेधावी विद्यार्थियों** को पूरे भारत में **शैक्षिक भ्रमण** के लिये भेजा जाता है।
- **मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा प्रोत्साहन छात्रवृत्ति योजना: सरकारी कॉलेजों** में **स्नातक** और **स्नातकोत्तर** की पढ़ाई कर रहे **मेधावी विद्यार्थियों** के लिये **छात्रवृत्ति**।
- **नंदा गौरा योजना: गरीब परिवारों** की **लड़कियों** के लिये **वित्तीय सहायता**।
- **बाल लाभ योजना (UKBOCWWB):** पंजीकृत **भवन एवं निर्माण श्रमिकों** के **बच्चों** के लिये **वित्तीय सहायता**। कक्षा 1 से लेकर **उच्च शिक्षा** या **व्यावसायिक पाठ्यक्रमों** तक के छात्रों को सहायता प्रदान की जाती है।

उत्तराखंड में FM रेडियो स्टेशन लॉन्च

चर्चा में क्यों?

भारतीय सेना **ने** उत्तराखंड के पिथौरागढ़ ज़िले में **'पंचशूल पल्स' नाम से अपना पहला** FM रेडियो स्टेशन लॉन्च किया है। इसका उद्घाटन सेना की मध्य कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग (GOC) **ने किया।**

मुख्य बिंदु

- **रेडियो स्टेशन के बारे में:**
  - **भारतीय सेना की स्थानीय पंचशूल ब्रिगेड के साथ इसके जुड़ाव को दर्शाने के लिये** इस स्टेशन का नाम 'पंचशूल पल्स' रखा गया है।
  - इसे ऑपरेशन सद्भावना के एक भाग के रूप में संचालित किया जाता है, जो सामरिक रूप से महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों में नागरिकों के साथ रचनात्मक संबंध बनाने के लिये सेना की एक दीर्घकालिक पहल है।
    - ऑपरेशन सद्भावना **1990 के दशक में भारतीय सेना द्वारा** जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में आतंकवाद से प्रभावित समुदायों की सहायता के लिये शुरू की गई एक मानवीय पहल है।
  - **यह वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम** के अनुरूप है, जो भारत के सीमावर्ती क्षेत्रों में विकास, संपर्क और जागरूकता पर ज़ोर देता है।
  - यह स्टेशन **88.4 FM आवृत्ति पर प्रसारित होता है, जिसे 12 किमी. के दायरे तक सुना जा** सकता है।
- **पहल के उद्देश्य:**
  - इसका उद्देश्य सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और सामाजिक आदान-प्रदान के लिये एक मंच के रूप में कार्य करके **नागरिक-सैन्य सहयोग को बढ़ाना है।**
  - यह स्टेशन सीमावर्ती क्षेत्र के व्यक्तियों के योगदान और बलिदान के बारे में **जागरूकता बढ़ाने का भी प्रयास करता है।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **रेडियो कार्यक्रम की मुख्य विशेषताएँ:**
  - कार्यक्रम में **स्थानीय इतिहास, संस्कृति और सामाजिक प्रथाओं पर विशेष ज़ोर दिया जाता है।**
  - **इसमें** कृषि और बागवानी पर सामग्री शामिल है, जो इस क्षेत्र में प्रमुख व्यवसाय हैं।
  - इस स्टेशन पर उस क्षेत्र के **शहीदों और बहादुर सैनिकों की उपलब्धियों का** उत्सव मनाने वाली कहानियाँ प्रसारित की गईं।
  - इसमें स्थानीय खिलाड़ियों तथा सामाजिक व सांस्कृतिक क्षेत्रों में कार्यरत व्यक्तियों की उपलब्धियों को भी उजागर किया गया है।

वाइब्रेंट विलेजेज प्रोग्राम (VVP)

- **कार्यक्रम के बारे में:** इस कार्यक्रम को **15 फरवरी 2023 को अरुणाचल प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, सिक्किम, उत्तराखंड** और लद्दाख (UT) सहित राज्यों के 46 ब्लॉकों में 19 ज़िलों में भारत की उत्तरी सीमा पर गाँवों के समग्र विकास के लिये एक केंद्र प्रायोजित योजना **के रूप में अनुमोदित किया गया था।**
- **लक्षित क्षेत्र:** पर्यटन, सांस्कृतिक संवर्द्धन, कौशल विकास, उद्यमिता के साथ-साथ कृषि, बागवानी और औषधीय पौधों और जड़ी-बूटियों की खेती के माध्यम से आजीविका सृजन को बढ़ावा दिया जाएगा।
  - यह कार्यक्रम **सड़क संपर्क,** आवास, नवीकरणीय ऊर्जा **आदि के माध्यम से** बुनियादी ढाँचे **में सुधार के साथ-साथ स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा,** स्वच्छता और सामुदायिक केंद्र जैसी बुनियादी सुविधाएँ प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करेगा।
- **उद्देश्य:** बेहतर बुनियादी ढाँचा और आजीविका के अवसर प्रदान करके, सीमा सुरक्षा और सतत् स्थानीय विकास **को बढ़ाकर निवासियों को सीमावर्ती गाँवों में रहने** के लिये प्रोत्साहित करना।
  - यह कार्यक्रम **सीमा क्षेत्र विकास कार्यक्रम (BADP)** का पूरक है, जो 16 राज्यों और 2 **केंद्रशासित** प्रदेशों में अंतर्राष्ट्रीय सीमा के 0-10 किमी. के भीतर सीमावर्ती गाँवों में बुनियादी ढाँचे की कमी को पूरा करता है।
- **वाइब्रेंट विलेजेज प्रोग्राम-II (VVP-II):**
  - **VVP- II को वित्त वर्ष 2024-25 से 2028-29 के लिये ₹6,839 करोड़** के बजट के साथ अंतर्राष्ट्रीय भूमि सीमाओं (उत्तरी सीमा को छोड़कर) के साथ गाँवों को विकसित करने के लिये लॉन्च किया गया है।

हेमकुंड साहिब

चर्चा में क्यों?

उत्तराखंड के **चमोली ज़िले** में स्थित सिखों का पवित्र तीर्थस्थल **हेमकुंड साहिब श्रद्धालुओं के लिये खोल दिया गया है, जिसके साथ ही वार्षिक तीर्थयात्रा का शुभारंभ हो गया है।**

मुख्य बिंदु

- **हेमकुंड साहिब के बारे में:**
  - हेमकुंड साहिब समुद्र तल से लगभग **4,329 मीटर (14,200 फीट)** की ऊँचाई पर स्थित है।
  - **यह** हेमकुंड झील **के तट पर, बर्फ से ढकी** हिमालय **की चोटियों से घिरा हुआ** है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **हिमानी जल और अल्पाइन घास के मैदानों** से युक्त सुंदर परिदृश्य, शांतिपूर्ण और आध्यात्मिक वातावरण को और अधिक समृद्ध करता है।
- फूलों की घाटी **से होते हुए जाने वाले** ट्रैकिंग मार्ग इसे एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल बनाते हैं।
- **हेमकुंड झील से हिमगंगा** नामक एक छोटी धारा बहती है, जो क्षेत्र की पारिस्थितिक समृद्धि में वृद्धि करती है।

- **आध्यात्मिक महत्त्व:**
  - हेमकुंड साहिब विश्व में सर्वाधिक पूजनीय सिख तीर्थस्थलों में से एक है।
  - गुरु ग्रंथ साहिब के अनुसार, **दसवें सिख गुरु,** गुरु गोबिंद सिंह **ने** अपने प्रारंभिक जीवन में **हेमकुंड झील पर गहन तप किया था।**
  - यह स्थल भक्तों के लिये **दिव्य प्रतिबिंब और पवित्रता का प्रतीक है।**

गुरु गोबिंद सिंह

- **प्रारंभिक जीवन:**
  - 22 दिसंबर 1666 को **बिहार के** पटना में जन्मे **गोबिंद राय सोढ़ी** सिख धर्म के **दसवें और अंतिम गुरु** थे।
  - **ये नौवें सिख गुरु,** गुरु तेग बहादुर के पुत्र थे।
- **गुरु पद ग्रहण:**
  - वर्ष 1675 में **अपने पिता की शहादत** के समय **सिर्फ नौ वर्ष** की आयु में उन्हें औपचारिक रूप से **गुरु पद** पर **आसीन** किया गया।
  - **उन्होंने आध्यात्मिक नेतृत्व को** सैन्य अनुशासन और **साहित्यिक अभिव्यक्ति** के साथ जोड़ा।
- **खालसा की स्थापना:**
  - **वर्ष 1699 में बैसाखी** के दिन, उन्होंने खालसा पंथ **की स्थापना की,** जो संत-सैनिकों का एक सैन्य और आध्यात्मिक संगठन था।
  - उन्होंने **पंच प्यारे** (पाँच प्रिय जन) को दीक्षा दी, **'खंडे दी पाहुल'** (अमृत संचार) की परंपरा शुरू की और **पाँच ककार** अनिवार्य **किया: कंघा** (कंघी), **केश** (बिना कटे बाल), **कड़ा** (स्टील कंगन), **कृपाण** (तलवार)और **कच्छा** (विशेष प्रकार का वस्त्र)।
  - उन्होंने अपना नाम गोबिंद राय से बदलकर **गोबिंद सिंह रख लिया।**
- सैन्य संघर्ष और बलिदान:
  - मुगल **सेनाओं और पहाड़ी राजाओं** के खिलाफ कई लड़ाइयाँ लड़ीं, जिनमें **भंगानी (1688), नादौन (1691)** और **मुक्तसर (1705) शामिल हैं।**
  - **मुगलों के अत्याचारों के कारण अपने चारों पुत्रों** और **माता गुजरी को खो दिया,** लेकिन उनका मनोबल अडिग रहा।
- अंतिम दिन और विरासत:
  - वर्ष 1708 में सरहिंद के नवाब वज़ीर खान द्वारा भेजे गए हत्यारों के माध्यम से **नांदेड़ में घातक रूप से घायल कर दिया गया।**
  - 7 अक्तूबर 1708 को अपनी मृत्यु से पहले, उन्होंने **गुरु ग्रंथ साहिब** को सिखों का **शाश्वत गुरु घोषित किया, जिससे व्यक्तिगत गुरुओं की परंपरा समाप्त हो गई।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

सिरकारी भ्योल रूपसियाबगड जल विद्युत परियोजना

चर्चा में क्यों ?

उत्तराखंड में सिरकरी भ्योल रूपसियाबगड जलविद्युत परियोजना को पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEF-CC) के तहत वन सलाहकार समिति (FAC) से सैद्धांतिक स्वीकृति (प्रारंभिक या सशर्त समझौता) मिल गई।

मुख्य बिंदु

सिरकारी भ्योल रूपासिया बगड़ जलविद्युत परियोजना

- **परियोजना अवलोकन:**
  - यह परियोजना उत्तराखंड के **पिथौरागढ़ ज़िले** में **गोरी गंगा नदी पर स्थित है।**
  - इसकी स्थापित क्षमता **120 मेगावाट (MW) रखने की योजना है।**
  - FAC ने परियोजना के कार्यान्वयन के लिये आवश्यक **29.997 हेक्टेयर वन भूमि के परिवर्तन को स्वीकृति प्रदान कर दी है।**
- **बुनियादी ढाँचे का डिज़ाइन और प्रभाव:**
  - इस परियोजना में लगभग 1 किमी. **सुरंग का निर्माण शामिल है।**
  - परियोजना का अधिकांश बुनियादी ढाँचा **भूमिगत बनाया जाएगा,** जिससे पर्यावरणीय प्रभाव को निम्न करने में सहायता मिलेगी।
  - परियोजना के कारण स्थानीय जनसंख्या का **कोई विस्थापन नहीं** होगा।
  - यह स्थल किसी भी राष्ट्रीय उद्यान, वन्यजीव अभयारण्य **या** पारिस्थितिकी-संवेदनशील क्षेत्र **के अंतर्गत नहीं आता है,** जिससे न्यूनतम पारिस्थितिक व्यवधान सुनिश्चित होता है।
- **परियोजना की ऊर्जा क्षमता:**
  - इस परियोजना से **प्रतिवर्ष लगभग 529 मिलियन यूनिट स्वच्छ,** नवीकरणीय ऊर्जा उत्पन्न होने की संभावना है।
  - **इस उत्पादन से स्थानीय ऊर्जा मांग को पूर्ण करने में** सहायता प्राप्त होगी और उत्तराखंड की **ऊर्जा आत्मनिर्भरता में महत्त्वपूर्ण योगदान मिलेगा।**
- **सामाजिक-आर्थिक प्रभाव:**
  - **यह परियोजना निर्माण चरण के दौरान अस्थायी रोज़गार** तथा परिचालन के बाद **स्थायी रोज़गार के अवसर** उत्पन्न करेगी।
  - इससे सड़कों और सार्वजनिक सुविधाओं सहित **स्थानीय** बुनियादी ढाँचे में भी सुधार होगा।
  - इन विकासों के कारण स्थानीय निवासियों के लिये आर्थिक अवसरों में वृद्धि होने से क्षेत्र से पलायन **कम होने की संभावना** है।

वन सलाहकार समिति (FAC)?

- यह एक वैधानिक निकाय है जिसका गठन वन (संरक्षण) अधिनियम 1980 द्वारा किया गया था।
- FAC उन औद्योगिक परियोजनाओं का मूल्यांकन करता है जिनके कार्यकलापों के लिये **वन भूमि की आवश्यकता होती है।**
- समिति **किसी परियोजना को स्वीकृति प्रदान कर सकती है या नहीं भी कर सकती है** तथा कुछ शर्तें लगाने के बाद वन भूमि के हस्तांतरण की स्वीकृति भी दे सकती है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

गोरी गंगा नदी

- **गोरी गंगा नदी, जिसे गोरी गंगा** या **गोरी गाड़** के नाम से भी जाना जाता है, उत्तराखंड में **पिथौरागढ़ ज़िले** की **मुनस्यारी तहसील** से होकर बहती है।
- यह नदी **नंदा देवी** के उत्तर-पूर्व में स्थित **मिलम ग्लेशियर से निकलती है और जौलजीबी** में काली नदी में मिलने से पहले लगभग **104 किलोमीटर** का सफर तय करती है।
- एक महत्त्वपूर्ण सहायक नदी, **गोंगा धारा,** ग्लेशियर के थूथन से सिर्फ 1 किमी. नीचे, **मिलम गाँव** के पास गोरी गंगा में मिलती है।
- **भौगोलिक महत्त्व:**
  - नदी घाटी कई ग्लेशियरों और नदियों के लिये जल निकासी बेसिन के रूप में कार्य करती है, जो नंदा देवी अभयारण्य के **पूर्वी ढलानों और पंचाचूली, राजरम्बा तथा चौधारा पर्वत शृंखलाओं** से निकलती हैं।
  - अन्य प्रमुख सहायक धाराओं में **रालम गाड़, प्यूसानी गैदरा और कालाबालंद-बुर्फू कालगंगा ग्लेशियर प्रणाली** शामिल हैं, जो पूर्व की ओर से गोरी गंगा में मिलती हैं।
- **पर्यटन संभावनाएँ:**
  - गोरी गंगा घाटी अपने सुंदर ट्रैकिंग मार्गों के लिये भी प्रसिद्ध है, जो **नंदा देवी पूर्वी, हरदेओल, त्रिशूली, पंचाचूली** और **नंदा कोट जैसी प्रतिष्ठित हिमालयी चोटियों** तक जाते हैं।
  - यह घाटी **पारिस्थितिकी मूल्य** और **साहसिक पर्यटन की संभावनाओं** को समेटे हुए है, जिससे यह एक बहुआयामी महत्त्व का क्षेत्र बन जाता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

उत्तराखंड में सांस्कृतिक विरासत और विकास को बढ़ावा

चर्चा में क्यों ?

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री ने हाल ही में '**अहिल्या स्मृति मैराथन- एक विरासत, एक संकल्प**' तथा **प्रथम गज घंटाकर्ण महोत्सव-2025 का उद्घाटन किया,** जिसमें **राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत पर ज़ोर देते हुए इसे चल रही विकासात्मक पहलों से जोड़ा गया।**

मुख्य बिंदु

- **अहिल्या स्मृति मैराथन:**
  - यह मैराथन देहरादून में विरासत थीम पर आधारित कार्यक्रम के तहत आयोजित की गई थी।
  - इस आयोजन का विषय, **एक विरासत-एक संकल्प,** का उद्देश्य उत्तराखंड में स्वास्थ्य, एकता और सांस्कृतिक गौरव के बारे में जन जागरूकता बढ़ाना है।
  - इस पहल का **उद्देश्य प्रतिभागियों के बीच स्वास्थ्य जागरूकता, सामाजिक सद्भाव** और सांस्कृतिक गौरव को बढ़ावा देना था।
- **गज घंटाकर्ण महोत्सव-2025:**
  - यह महोत्सव टिहरी ज़िले के **गज घण्टाकर्ण मंदिर** के **परिसर को केंद्र बनाकर** आयोजित किया गया, जिसे **उत्तराखंड का एक महत्त्वपूर्ण पौराणिक स्थल** माना जाता है।
  - यह मंदिर पारंपरिक रूप से **बद्रीनाथ धाम की यात्रा के बाद दूसरी परिक्रमा स्थली** के रूप में जाना जाता है।
  - मंदिर से **हरिद्वार से लेकर** हिमालयी पर्वतमालाओं **तक के विहंगम दृश्य** दिखाई देते हैं, जिससे यह स्थान **आध्यात्मिक और पार्यावरणीय पर्यटन** (eco-tourism) के लिये आदर्श स्थल बन जाता है।
- **सांस्कृतिक योगदान:**
  - इस महोत्सव की शुरुआत **क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत को पुनर्जीवित करने और बढ़ावा देने के लिये की गई थी।**
  - इसका उद्देश्य पारंपरिक गतिविधियों और समारोहों के माध्यम से सांस्कृतिक **पर्यटन** और सामुदायिक भागीदारी को बढ़ाना था।
  - इस तरह के आयोजन अमूर्त विरासत को बनाए रखने और स्थानीय समुदायों में पहचान की भावना को बढ़ावा देने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
  - **ये प्रयास 2047 तक विकसित उत्तराखंड और भारत** के व्यापक दृष्टिकोण से जुड़े हैं, जो प्रधानमंत्री के अमृतकाल विज़न के अनुरूप हैं।
  - सरकार गज में पॉलिटेक्निक संस्थान, हेंवलघाटी पंपिंग पेयजल योजना आदि **सहित बुनियादी ढाँचे और सामाजिक विकास परियोजनाओं पर सक्रिय रूप से काम कर रही है।**
- एक ज़िला एक उत्पाद (ODOP) **जैसी पहलों** के माध्यम से स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना, **स्वयं सहायता समूहों** के माध्यम से महिलाओं के बीच आत्मनिर्भरता और कौशल विकास पर सरकार के लक्ष्य को दर्शाता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

एक ज़िला एक उत्पाद (ODOP) योजना:

- **ODOP पहल** का उद्देश्य **भारत के 761 ज़िलों में से प्रत्येक के एक विशिष्ट उत्पाद** की पहचान कर उसे प्रोत्साहित करना है, ताकि **संतुलित क्षेत्रीय विकास** को बढ़ावा दिया जा सके।
- अब तक **कुल 1,102 उत्पादों** का चयन किया जा चुका है, जिनमें **स्थानीय विशेषताओं** पर केंद्रित वस्तुएँ शामिल हैं, जैसे कि भौगोलिक संकेत (GI) टैग **प्राप्त उत्पाद** तथा ज़िला निर्यात केंद्र (DEH) पहल के अंतर्गत चयनित वस्तुएँ।
- **उत्तराखंड के GI टैग प्राप्त उत्पादों** में शामिल हैं– **लाल चावल, अल्मोड़ा की लखोरी मिर्च, बेरीनाग चाय, रामनगर (नैनीताल) की लीची, रामगढ़ का आड़ू,** बासमती चावल आदि।
- इन उत्पादों का चयन **राज्यों और केंद्र\शासित प्रदेशों द्वारा किया जाता है** तथा यह प्रक्रिया औद्योगिक संवर्द्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (DPIIT) के समन्वय से पूरी की जाती है।

उत्तराखंड का विकसित कृषि संकल्प अभियान

चर्चा में क्यों ?

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री **पुष्कर सिंह धामी ने** 29 मई 2025 को देहरादून के **गुनियाल गाँव** में **"विकसित कृषि संकल्प अभियान" की** शुरुआत की।

मुख्य बिंदु

- **अभियान के बारे में:**
  - **29 मई से 12 जून 2025 तक संचालित होने वाले इस अभियान** में उत्तराखंड के **95 विकास खंड, 670** न्याय पंचायतें और **11,440 गाँव शामिल होंगे।**
  - राज्य ने प्रत्येक ज़िले में तीन टीमें गठित की हैं, जो प्रतिदिन तीन स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित कर रही हैं तथा प्रत्येक कार्यक्रम में 600 से अधिक किसानों को शामिल कर रही हैं।
- **उद्देश्य:**
  - किसानों को **वैज्ञानिक ज्ञान, आधुनिक कृषि पद्धतियाँ** तथा **सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूकता** के माध्यम से सशक्त बनाना।
  - किसानों को उनकी **मिट्टी, भूमि एवं जलवायु परिस्थितियों** के अनुसार उन्नत कृषि तकनीकों को अपनाने में सहायता करना।
  - **मिट्टी परीक्षण** व **वैज्ञानिक मार्गदर्शन** के आधार पर **लाभकारी फसलों** के चयन में किसानों को प्रशिक्षण देना।
  - किसानों के परंपरागत ज्ञान एवं **नवाचारों** का दस्तावेज़ीकरण करना, ताकि भविष्य का **कृषि अनुसंधान अधिक व्यावहारिक** एवं **स्थानीय संदर्भों के अनुरूप** बनाया जा सके।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

सरकारी सहायता योजनाएँ

- **राज्य सरकार की योजनाएँ:**
  - उत्तराखंड सरकार किसानों को **3 लाख रुपए तक का ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध करा रही है।**
  - **फार्म मशीनरी बैंक योजना** के माध्यम से कृषि मशीनरी की खरीद पर **80 प्रतिशत तक की सब्सिडी** दी जा रही है।
  - किसानों को गेहूँ खरीद पर **20 रुपए प्रति क्विंटल का बोनस** प्रदान किया जा रहा है।
  - **गन्ने का मूल्य** 20 **रुपए प्रति क्विंटल** बढ़ा दिया गया है।
  - राज्य में किसानों के लिये **नहर सिंचाई पूरी तरह मुफ्त** कर दी गई है।
- **उत्तराखंड में विशेष कृषि पहल:**
  - **जैविक एवं सुगंधित खेती:**
    - राज्य **धौलादेवी, मुनस्यारी और बेतालघाट में चाय बागानों को जैविक चाय उत्पादक क्षेत्रों** में परिवर्तित कर रहा है।
    - उच्च मूल्य वाली सुगंधित फसलों को बढ़ावा देने के लिये वर्तमान में **छह सुगंध घाटियों का विकास किया जा रहा है।**
- **बजटीय एवं परियोजना आवंटन:**
  - **बजट 2025** में **पॉलीहाउस के निर्माण के लिये विशेष रूप से 200 करोड़ रुपए** आवंटित किये गए हैं।
  - पहाड़ी और वर्षा आधारित क्षेत्रों में खेती को बढ़ावा देने के लिये **उत्तराखंड जलवायु अनुकूल वर्षा आधारित खेती परियोजना** नामक 1,000 **करोड़ रुपए की परियोजना को मंज़ूरी दी गई है।**
- **नई फसल नीतियाँ:**
  - राज्य ने **एप्पल नीति, कीवी नीति, राज्य मिलेट मिशन** और **ड्रैगन फ्रूट नीति** जैसे कई नए प्रयास शुरू किये हैं।
  - इन नीतियों को **बागवानी क्षेत्र** में विविधता लाने और उसे मज़बूत बनाने के लिये **1,200 करोड़ रुपए के कुल निवेश द्वारा समर्थित किया गया है।**
- **केंद्र सरकार की पहलें:**
  - **PM-किसान सम्मान निधि योजना**, **फसल बीमा योजना**, **किसान मानधन योजना** और **मृदा स्वास्थ्य कार्ड पहल** राज्य में लागू हैं।
  - साथ ही, **बागवानी विकास मिशन**, **कृषि यंत्रों पर सब्सिडी**, **ड्रिप सिंचाई योजना** तथा **डिजिटल कृषि मिशन** जैसे कार्यक्रमों को भी **किसानों को सहयोग प्रदान करने** हेतु प्रोत्साहित किया जा रहा है।

तपोवन से कुंजापुरी मंदिर तक रोपवे

चर्चा में क्यों?

उत्तराखंड **सरकार ने तपोवन से कुंजापुरी देवी मंदिर तक रोपवे परियोजना** के विकास के लिये एक स्विस **रोपवे निर्माता के साथ** एक **समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किये हैं।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

मुख्य बिंदु

- **रोपवे परियोजना के बारे में:**
  - **यह रोपवे ऋषिकेश के तपोवन को** आध्यात्मिक स्थल नरेंद्रनगर के **कुंजापुरी मंदिर** से जोड़ेगा।
  - इसका उद्देश्य **यात्रा के समय को कम करना, आगंतुकों की सुरक्षा को बढ़ाना** तथा वाहनों के कारण होने वाले **पर्यावरणीय नुकसान को न्यूनतम करना है।**
- **कुंजापुरी मंदिर**
  - यह उत्तराखंड के टिहरी गढ़वाल ज़िले में एक पहाड़ी पर समुद्र तल से 1,676 मीटर की ऊँचाई पर स्थित है।
  - यह मंदिर **देवी दुर्गा को समर्पित है** और शिवालिक पर्वतमाला **में स्थित 13 शक्तिपीठों में से एक है।**
  - यह मंदिर **टिहरी ज़िले के तीन प्रमुख शक्तिपीठों** में से एक है। **सुरकंडा देवी** और **चंद्रबदनी** के साथ मिलकर यह एक **पवित्र त्रिकोण** बनाता है, जिसकी स्थापना **जगद्गुरु** आदि शंकराचार्य ने की थी।
  - यह स्थल **अपनी आध्यात्मिक महत्ता** के साथ-साथ **गढ़वाल हिमालय के मनोरम दृश्यों के लिये भी प्रसिद्ध है**, जिनमें **स्वर्गारोहिणी, गंगोत्री, बंदरपुंछ** और **चौखंभा** जैसे शिखर शामिल हैं।
  - शिखर से दर्शक **भागीरथी घाटी** के साथ-साथ ऋषिकेश, हरिद्वार और दून घाटी जैसे नगरों का भी नयनाभिराम दृश्य देख सकते हैं।

राष्ट्रीय रोपवे विकास कार्यक्रम (पर्वतमाला)

- इसे **हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर तथा पूर्वोत्तर** जैसे पर्वतीय क्षेत्रों में परिवहन संपर्क में सुधार के लिये शुरू किया गया था।
- पर्वतमाला **योजना का** उद्देश्य आधुनिक, पर्यावरण अनुकूल रोपवे प्रणाली का निर्माण कर दूरदराज़ और सीमावर्ती गाँवों को मज़बूत बनाना है।
- **उत्तराखंड में स्वीकृत प्रमुख परियोजनाएँ:**
  - गोविंदघाट से हेमकुंड साहिब रोपवे।
  - सोनप्रयाग से केदारनाथ रोपवे।
  - **नोट:** दोनों परियोजनाएँ पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (PPP) मॉडल के तहत **डिज़ाइन-बिल्ड-फाइनेंस-ऑपरेट-ट्रांसफर (DBFOT)** पद्धति से संचालित हैं।
- **रोपवे के लाभ:**
  - कठिन पर्वतीय रास्तों की तुलना में **सुगम और सुरक्षित विकल्प।**
  - **भूगोलिक बाधाओं को पार करते हुए तीव्र यात्रा।**
  - न्यूनतम भूमि उपयोग और उत्सर्जन के साथ पर्यावरण के अनुकूल।
  - कम रखरखाव और श्रम लागत के साथ किफायती।।
  - **अंतिम मील कनेक्टिविटी** और **भीड़भाड़ वाली यातायात प्रणाली** का समर्थन।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

उत्तराखंड मेगा औद्योगिक एवं निवेश नीति 2025

चर्चा में क्यों ?

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने **मेगा औद्योगिक और निवेश नीति 2025 को मंज़ूरी दे दी है।**

मुख्य बिंदु

- **नीति के बारे में:**
  - इसे राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पूंजी निवेश के लिये **उत्तराखंड को एक प्रतिस्पर्द्धी गंतव्य के रूप में स्थापित** करने के लिये पेश किया गया है।
  - इसका उद्देश्य राज्य की **आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देना** तथा बड़े पैमाने पर विनिर्माण उद्यमों को बढ़ावा देकर **अतिरिक्त** रोज़गार के अवसर सृजित करना है।
- **पॉलिसी अवधि और पात्रता:**
  - यह नीति पाँच वर्षों तक लागू रहेगी।
  - लाभ के लिये आवेदन करने वाले उद्यमों को सिंगल विंडो पोर्टल के माध्यम से एक **सामान्य आवेदन प्रपत्र (CAF) प्रस्तुत करना होगा।**
  - वित्तीय प्रोत्साहन उद्यम की **निवेश श्रेणी** के आधार पर दिया जाएगा।
  - निवेश पूरा करने का समय CAF आवेदन की तारीख से **3 से 7 वर्षों** के भीतर निर्धारित है।
- **उद्यमों का वर्गीकरण:**
  - बड़े उद्यमों को स्थायी पूंजी निवेश (भूमि को छोड़कर) और न्यूनतम रोज़गार मानदंड के आधार पर **चार श्रेणियों में विभाजित किया गया है।**

वर्ग	निवेश सीमा (रुपए)	न्यूनतम रोज़गार आवश्यक
लार्ज	50 करोड़ से 200 करोड़	50
अल्ट्रा लार्ज	200 करोड़ से 500 करोड़	150
मेगा	500 करोड़ से 1000 करोड़	300
अल्ट्रा मेगा	1000 करोड़ से अधिक	500

वित्तीय प्रोत्साहन:

- **स्टांप ड्यूटी प्रतिपूर्ति:** भूमि खरीद/लीज डीड पर चुकाई गई स्टांप ड्यूटी का **50% तक प्रतिपूर्ति**, अधिकतम ₹50 लाख तक।
- **पूंजी सब्सिडी:** निवेश श्रेणी के अनुसार, वाणिज्यिक उत्पादन शुरू होने के बाद वार्षिक किश्तों में देय।
  - **लार्ज:** निवेश का 10% 8 वर्षों के बाद

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **अल्ट्रा लार्ज:** निवेश का 12% 10 वर्षों के बाद
- **मेगा:** निवेश का 15% 12 वर्षों के बाद
- **अल्ट्रा मेगा:** निवेश का 20% 15 वर्षों के बाद

- **पहाड़ी क्षेत्रों के लिये अतिरिक्त सब्सिडी:**
  - **श्रेणी A ज़िलों:** पूंजी सब्सिडी में अतिरिक्त 2%
  - **श्रेणी B ज़िलों:** पूंजी सब्सिडी में अतिरिक्त 1%

✦ ✦ ✦ ✦

दृष्टि The Vision

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :